

मनवा रे अब मान ले कहना भजन लिरिक्स



मनवा रे अब मान ले कहना,
दिन और बचे न,
काहे न भजन करे हो।bd।

तर्ज - चँदा रे मेरे भइया से।

ये जीवन पानी का रैला,
ये तन है माटी का ढैला,
चार दिनो का है ये मैला,
पल का नहीं है ठिकाना,
काहे न भजन करे,
मनवा रे अब मान ले कहना,
दिन और बचे न,
काहे न भजन करे हो।bd।

नाम हरि का मन तू भजले,
गुरुवाणी पे अमल तू करले,
घर ये किराए का है पगले,
इसमे सदा नहीं रहना,
काहे न भजन करे,
मनवा रे अब मान ले कहना,
दिन और बचे न,
काहे न भजन करे हो।bd।

गूरु चरणो मे ध्यान लगालै,
तेरे अँग सँग है नँगली वाले,
आज तू अपना भाग्य जगाले,
सोते ही न रहना,
काहे न भजन करे,
मनवा रे अब मान ले कहना,
दिन और बचे न,
काहे न भजन करे हो।bd।

मनवा रे अब मान ले कहना,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



काहे न भजन करे हो।bd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो अभी उपलब्ध नहीं।
